

16 Sep Students demonstrate working models at Engineers Day celebration at ICFAI University



Students demonstrate working models at Engineers' Day celebration at ICFAI University

RANCHI: Engineers' Day was celebrated at ICFAI University, Jharkhand through Video Conferencing. Dr. Rana Subhasis Chakravarty, Director Marketing & Director (Production- Additional Charge), Heavy Engineering Corporation (HEC) Ltd. was the Guest of Honour for the function. Students of the University show-cased working engineering models in areas like garbage-to-energy, rocket launcher, Underground Coal Mines etc. and displayed posters designed by them on Engineers' Day theme. Also some students spoke on "how technology was

deployed effectively during COVID-19 pandemic". A quiz on general science was conducted.

Welcoming the guests to the function, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said, "Today we pay homage to Bharat Ratna MVisvesvaraya for his contribution to the Nation Building through Industrialization. As a visionary Engineer and Leader, besides design of several irrigation projects, he was instrumental in setting up great institutions like Mysore Soap Factory, Bangalore Agricultural University and State Bank of Mysore etc. His clarion call

to study local conditions in India before applying technology to solve problems is relevant today also. "All of us need to imbibe his life messages of hard work, sense of duty and character in our day-to-day life.", added Prof Rao .

Addressing the students, Dr. Rana Subhasis Chakravarty expressed his happiness with the impressive talents demonstrated by the students by way of the posters, engineering models and speeches on the theme. He explained how HEC is helping in Nation Building by providing critical equipment to organizations like ISRO.

इक्फाई विवि के छात्रों का कामकाजी मॉडल प्रदर्शित

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इंजीनियर दिवस मनाया गया। डॉ. राणा सुभासिस चक्रवर्ती, निदेशक विपणन और निदेशक (उत्पादन- अतिरिक्त प्रभार), हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचईसी) लिमिटेड समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। विश्वविद्यालय के छात्रों ने कचरा-से-ऊर्जा, रॉकेट लॉन्चर, भूमिगत कोयला खदान आदि क्षेत्रों में कार्यरत इंजीनियरिंग मॉडल का प्रदर्शन किया और इंजीनियर्स दिवस की थीम पर उनके द्वारा डिजाइन किए गए पोस्टर प्रदर्शित किए। साथ ही कुछ छात्रों ने स्कैस कोविड-19 महामारी के दौरान प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से तेनात किया गया घर बात की एवं सामान्य विज्ञान पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.आर.एस. राव ने कहा कि आज हम भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया को औद्योगिकीकरण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि देते हैं। एक दूरदर्शी इंजीनियर और नेता के रूप में, कई सिंवाई परियोजनाओं के डिजाइन के अलावा, उन्होंने मैसूर साहुन फैक्ट्री, बैंगलोर कृषि विश्वविद्यालय और स्टेट बैंक ऑफ मैसूर आदि जैसे महान संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी को लागू करने से पहले भारत में स्थानीय परिस्थितियों का अध्ययन करने का उनका स्पष्ट आशय आज भी प्रासंगिक है। प्रो. राव ने कहा कि हम सभी को अपने दैनिक जीवन में कड़ी मेहनत, कर्तव्य की भावना और चरित्र के उनके जीवन संदेशों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. राणा सुभासिस चक्रवर्ती ने पोस्टर, इंजीनियरिंग मॉडल और विषय पर भाषणों के माध्यम से छात्रों द्वारा प्रदर्शित प्रभावशाली प्रतिभा पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि कैसे एचईसी इसरो जैसे संगठनों को महत्वपूर्ण उपकरण उपलब्ध कराकर राष्ट्र निर्माण में मदद कर रहा है। श्री राणा सुभासिस चक्रवर्ती ने कहा कि इस कोविड महामारी के दौरान, व्यक्तियों के साथ-साथ संगठनों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सकारात्मक सोच ही अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य को पुनर्जीवित करने का एकमात्र तरीका है। विवि के एचओडी ने भी छात्रों को संबोधित किया। डॉ. पूजा हंसदा, फकल्टी माइनिंग इंजीनियरिंग ने कार्यक्रम का संचालन किया। कुलसचिव प्रो. अरविन्द कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष 3 छात्रों को मान्यता के पुरस्कार दिए गए। पोस्टर मेकिंग में पुरस्कार प्राप्त करने वाले टॉपर्स में श्रवण कुमार (डीआईटी) को जियो-थर्मल एनर्जी पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार, शोभित (एमबीए) को दूसरा पुरस्कार और तीसरे पुरस्कार के लिए फातमा जन्त (बीबीएएलबी) शामिल हैं।

इक्फाई विश्वविद्यालय में इंजीनियर्स दिवस पर छात्रों ने कामकाजी मॉडल का किया प्रदर्शन

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इंजीनियर्स दिवस मनाया गया। डॉ. राणा सुभासिस चक्रवर्ती, निदेशक विषयगत और निदेशक (उत्पन्न-अतिरिक्त प्रचार), हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचईसी) लिमिटेड समारोह के विरिष्ट अतिथि थे। विश्वविद्यालय के छात्रों ने कचरा-से-ऊर्जा, रिकेट लांचर, भूमिगत कोयला खदान आदि क्षेत्रों में कार्यरत इंजीनियरिंग मॉडल का प्रदर्शन किया और इंजीनियर्स दिवस की थीम पर उनके द्वारा डिजाइन किए गए पोस्टर प्रदर्शित किए। साथ ही कुछ छात्रों ने (कैसे कोविड-19 महामारी के दौरान प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से तैयार किया गया) पर बात की एवं सामान्य विज्ञान पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। समारोह में

अतिथियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ. आर. एस. राव ने कहा, आज हम भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया को औद्योगिकीकरण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि देते हैं। एक दूरदर्शी इंजीनियर और नेता के रूप में, कई सिंचाई परियोजनाओं के डिजाइन के अलावा, उन्होंने मैसूर सावुन फेक्ट्री, बेंगलूर कृषि विश्वविद्यालय और स्टेट बैंक ऑफ मैसूर आदि जैसे महान संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. राणा सुभासिस चक्रवर्ती ने पोस्टर, इंजीनियरिंग मॉडल और विषय पर भाषणों के माध्यम से छात्रों द्वारा प्रदर्शित प्रभावशाली प्रतिभा पर प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि कैसे एचईसी इसरो जैसे संगठनों को महत्वपूर्ण

उपकरण उपलब्ध करवाकर राष्ट्र निर्माण में मदद कर रहा है। श्री राणा सुभासिस चक्रवर्ती ने कहा इस कोविड महामारी के दौरान, व्यक्तियों के साथ-साथ संगठनों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सकारात्मक सोच ही अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य को पुनर्जीवित करने का एकमात्र तरीका है। प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष 3 छात्रों को मान्यता के पुरस्कार दिए गए। पोस्टर मेकिंग में पुरस्कार प्राप्त करने वाले टॉपर्स में श्रवण कुमार (डॉ.आईटी) को जियो-थर्मल इनर्जी पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार, शोवित (एमबीए) को दूसरा पुरस्कार और तीसरे पुरस्कार के लिए फातमा जन्नत (बीबीएएलबी) शामिल हैं। वकिंग मॉडल प्रदर्शन में, अमन श्रेष्ठ (डॉ.आईटी) ने भूमिगत कोयला खदान मॉडल पर सिमुलेशन मॉडल के लिए प्रथम

पुरस्कार प्राप्त किया, वासुदेव ओराव ने दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया और आकाश कुमार (बीटेक) ने तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में सिद्धि बोरा (एमबीए), रिया सिन्हा (बीबीए) और इंद्राणी रॉय (एमबीए) ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार पीयूष प्रकाश (बीबीए) को जाता है, और दूसरा और तीसरा पुरस्कार क्रमशः शुभम सिंह (बीसीए) और अनिकेत हर्ष (बीसीए) को जाता है। विवि के एचओडी ने भी छात्रों को संबोधित किया। डॉ. पूजा हांसदा, फेकट्टी माइनिंग इंजीनियरिंग ने कार्यक्रम का संचालन किया। कुलसचिव प्रो. अरविन्द कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इक्फाई विवि. कामकाजी मॉडल का विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शन

रांची। इक्फाई विवि के छात्रों ने कचरा से ऊर्जा, रिकेट लांचर, भूमिगत कोयला खदान आदि क्षेत्रों में कार्यरत इंजीनियरिंग मॉडल तैयार किया है। विद्यार्थियों द्वारा डिजाइन किये गये पोस्टर प्रदर्शित किये। इंजीनियर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. ओ.आर.एस. राव ने कहा कि हम सभी को विश्वेश्वरैया के आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में कड़ी मेहनत, कर्तव्य की भावना और चरित्र को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। डॉ. राणा सुभाशीष चक्रवर्ती ने भी अपने विचार रखे। प्रथम श्रेणी में शीर्ष तीन छात्रों को मान्यता के पुरस्कार दिये गये। श्रवण कुमार को जियो थर्मल इनर्जी पर प्रथम पुरस्कार दिया गया, शोवित को द्वितीय व फातमा जन्नत को तृतीय पुरस्कार मिला। वकिंग मॉडल में अमन श्रेष्ठ को प्रथम, वासुदेव उराव को द्वितीय व



आकाश कुमार को तृतीय पुरस्कार मिला। भाषण प्रतियोगिता में सिद्धि बोरा, रिया सिन्हा, इंद्राणी रॉय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिये गये। विज्ञान प्रश्नोत्तरी में पीयूष प्रकाश को प्रथम, शुभम सिंह को द्वितीय व अनिकेत हर्ष को तृतीय पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पूजा हांसदा और धन्यवाद ज्ञापन रजिस्ट्रार डॉ. अरविंद कुमार ने किया।

